जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

भारत सरकार पंजीसन नं. : 72322/91

मामनुस्मर युद्धय च

जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़

शेखावाटी सन्मार्ग

सतीनां वै सतांचैव दातृणां विदुषा तथा।
आकरं गुण शीलानां लक्ष्मणदुर्ग मनोहरम्।।

नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रुद्रेन्द्र यमानिलेभ्यो नमोस्तु चन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः।।

Mob: 9828665353
Web: www.srrividya.com

पाक्षिक/वर्ष-31/अङ्क - 31 | लक्ष्मणगढ़ 16 मार्च 2022 | मूल्य (विशेषाङ्क सहित) 100/- रु.वार्षिक

महाशिवरात्रि : मंदिरों में हुए कार्यक्रम, भजनों से शिव को रिझाया, भांग – धतूरा और पुष्प चढ़ाये

बुद्धगिरी मंढी के लक्खी मेले में उमड़े श्रद्धालु; जल व दूध के अभिषेक से सुख – समृद्धि की कामना की भोले के भक्तों ने

बुद्धगिरी मंढी पर मंगलवार को महाशिवरात्रि पर लक्खी मेला भरा। आस-पास के क्षेत्र के श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आने लगे। यहां दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने बाबा का जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक कर सुख समृद्धि की कामना की। महाशिवरात्रि के मेले के दौरान महंत दिनेश गिरी महाराज सुबह से ही गद्दी पर विराजमान रहे। मेला ग्राउंड पर झूले, खाने पीने की स्टाल, बच्चों के लिए गुब्बारे, खिलौने की स्टाल का आनंद श्रद्धालु उठाते हैं। सबसे आकर्षण ढफ मंडली द्वारा प्रस्तुत चंग कार्यक्रम था। ढफ मंडली मोहल्ले से पहुंची। शिवरात्रि के पर्व पर शहर के शिव मंदिरों में सजावट की गई। लक्ष्मी नाथ मंदिर, अमृतनाथ आश्रम, चूरू रोड स्थित शिवाजी का मंदिर सहित सभी मंदिरों में सुबह से ही महाआरती, रुद्राभिषेक किया।

रींगस। कस्बे व आसपास क्षेत्र के शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि पर दिनभर धार्मिक कार्यक्रम हुए। साथ ही बाईपास मार्ग पर स्थित पुलिया के पास 108 शिवलिंग मंदिर में देर रात तक श्रद्धालुओं ने धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करवाए। मंदिर में पालिकाध्यक्ष अशोक कुमार कुमावत ने पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। साथ ही नव विवाहित जोड़ों व अन्य दंपतियों ने शिव पार्वती के दोघड़ चढ़ाकर लंबी उम्र व सुख समृद्धि की कामना की।

इसी तरह कस्बे के मठ महादेव मंदिर, भूतनाथ मंदिर, आदर्श नगर के शिव मंदिर, सीसीए कॉलेज के पास स्थित शिव मंदिर, खाटूश्यामजी मोड़ पर सीताराम गोशाला शिव मंदिर, नीम नगर शिव मंदिर, गोपीनाथ राजाजी शिव मन्दिर सहितअनेक मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं ने पूजा की।

काठमांडू की तर्ज पर हुई 108 शिवलिंगों की स्थापना : वार्ड 11 की दीपावाली ढाणी में 25 फरवरी 2011 को काठमांडू की तर्ज पर 108 शिवलिंगों की स्थापना कर मंदिर को 108 शिवलिंग मंदिर का नाम दिया गया। मंदिर पुजारी कैलाश योगी तथा नानूराम कुमावत व अमरचंद कुमावत ने बताया कि वार्ड के कुछ लोग वर्ष 2011 से पहले काठमांडू घूमने गए थे।

कलाकारों ने दी धमाल की प्रस्तुति : फतेहपुर के कायमसर में फागोत्सव प्रोग्राम हुआ। इसमें सिंगर बल्ली मोहनवाड़ी व पूजा डोटासरा ने धमाल, लोकगीत व डीजे सॉन्ग की प्रस्तुति दी। साथी कलाकार ओमप्रकाश थेथलिया व सुरेंद्र मारवाड़ी ने भी ढप मंडली के जयपुर से आए डांसर के साथ प्रस्तुति दी।

लोसल । कस्बे के कुमावत समाज में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालु उमड़े रहे। कथावाचक पं संजय कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भागवत कथा श्रवण करने से मनुष्य को पापों से मुक्ति मिलती है, मनुष्य A को जीवन में थोड़ा सा समय धर्म-कर्म के लिए निकालना चाहिए। सती चरित्र की कथा, राजा दक्ष के अभिमान को विध्वंस करने की कथा, नरसिंह अवतार, प्रहलाद भक्त की कथा का वर्णन किया।

लक्ष्मणगढ़ । महाशिवरात्रि पूरे उपखंड में श्रद्धा के साथ मनाई गई। लोगों ने भगवान आशुतोष का श्रद्धानुसार अभिषेक किया। भूतनाथ मंदिर, शिखरबंद शिवालय, सिद्धपीठ चौपड़ बाजार शिवालय, मुरली मनोहर मंदिर में द्वादश शिवलिंग सहित अन्य शिवालयों में भी भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया गया। सिद्धपीठ श्रद्धानाथजी के आश्रम में पीठाधीश्वर बैजनाथ महाराज के सानिध्य में श्रद्धा विद्यापीठ में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने आश्रम स्थित ब्रह्मलीन श्रद्धानाथ जी महाराज की समाधी पर धोक लगाई।

रानोली। रानोली-पलसाना रैवासा जीणमाता में मंदिरों में शिव भक्तों का तांता लगा रहा। योगेश शर्मा ने बताया कि रानोली के स्टेशन रोड स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भी गरिमा शर्मा व साधना शर्मा के सौजन्य से भजनों का कार्यक्रम रखा गया। रैवासा में श्री कल्याण जी के मंदिर, महादेव मंदिर, बावड़ी मंदिर में भी भक्तों ने शिव पूजा कर मन्नत मांगी।

धोद | धोद शिव चौक मन्दिर में सुबह से ही शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। लोसल। ग्राम परेवड़ी में स्थित श्री हरिदास बाबा गौशाला में महाशिवरात्रि पर लोसल व्यापार मंडल अध्यक्ष व चेयरमैन ऑफ परमहंस ग्रुप परमहंस मसाला उद्योग के सुरेश कुमार शेषमा ने गौशाला में 5:15 क्विंटल की लापसी दलिया और 11 क्विंटल हरा चारा गौ माताओं को खिलाया। गोशाला समिति ने शेषमा का स्वागत किया। पाटोदा। खेड़ी दंतुजला में स्थित क्षेत्रपाल महाराज धाम, महेंद्र नाथ, आश्रम में पांच कुंडीय रुद्री यज्ञ और सुंदर कांड पाठ व रुद्राभिषेक हुआ। शोभा यात्रा सुबह बगड़ी गांव से ठाकुर जी मंदिर परिसर से भगवा रैली मोटरसाइकिल से रवाना होकर खेड़ी दंतुजला गांव में महेंद्र नाथ आश्रम पहुंची। महंत महेंद्र नाथ महाराज के नेतृत्व में महाशिवरात्रि पर पांच कुंडीय रुद्री महायज्ञ का आयोजन किया गया।

खाटूश्यामजी। मुख्य बाजार में स्थित शिव मंदिर में भोलेनाथ की जयकारे गूंजे। महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर अमर सुहाग की कामना की। वही नवविवाहित जोड़ों ने एक साथ आकर भेलेनाथ की पूजा-अर्चना की।

श्रीमाधोपुर। सीकर बाजार स्थित नोलखा कोठी में सवा दो फीट ऊंचे व 40 किलो वजनी स्फटिक शिवलिंग के दर्शनों के लिए दूर-दराज से लोग उमड़े। शाम को शिवालय का श्रृंगार कर महाआरती की गई। इसमें किसान आयोग के इ अध्यक्ष व खंडेला विधायक महादेव सिंह खंडेला, बजरंगलाल बजाज, पालिकाध्यक्ष हरिनारायण महंत, विश्वम्भर मऊवाला, विष्णु खंडेलवाल, नवलगढ़, कानपुर निवासी राजेश अग्रवाल समेत कई 'श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। इसी प्रकार चौपड़ बाजार, सीकर बाजार, खेड़ापति बालाजी व गोपीनाथ मंदिर. स्थित शिवालयों में भी पूजा- के लिए भक्त उमड़े।

खंडेला। महाशिवरात्रि पर कस्बे के शिव मंदिरों में भक्तों ने भगवान शिव का श्रृंगार कर पूजा-अर्चना की। शिव मंदिरों में महिलाओं व पुरुषों की सुबह से ही पूजा करने के भीड़ लगी रही। कस्बे में स्थित प्राचीन शिव मंदिर खंडेश्वर महादेव, डालू बाबा का मंदिर, घटेश्वर स्थित शिव मंदिर, जोगीझंडा शिव मंदिर, भूतेश्वर महादेव, चारोड़ा धाम व खंडेलवाल वैश्यधाम में स्थित शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया।

कवि कृपाराम की प्रतिमा का अनावरण

नेछवा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने अपने पैतृक गांव ढाणी कृपाराम में शुक्रवार को कवि कृपाराम की प्रतिमा का अनावरण कर 72 लाख की लागत से निर्मित कृपाराम स्मारक का लोकार्पण किया। डोटासरा ने 40 लाख की लागत से बने समग्र शिक्षा अभियान के तहत बने चार कक्षा-कक्षों का लोकार्पण व जल जीवन मिशन के द्वितीय चरण का शुभारंभ भी किया। जल जीवन मिशन के हर घर नल योजना के तहत गांव के 242 घरों में 42 लाख रुपए से हर घर तक इंदिरा गांधी नहर परियोजना के मीठे जल की आपूर्ति शुरू की गई है। द्वितीय चरण में सोला, रूल्याणी व ढ़ाणी कृपाराम से शुरुआत की गई है।

घोषणा

प्रपत्र – 4 नियम 8

पत्र का नाम -	शेखावाटी सन्मार्ग
प्रकाशन का स्थान -	लक्ष्मणगढ़ (सीकर)
प्रकाशन का अवधिक्रम -	पाक्षिक
मुद्रक का नाम -	शशिकान्त जोशी
राष्ट्रीयता -	भारतीय
पता - शेखावाटी सन्मार्ग - जयंती प्रकाशन, नवलगढ़ मार्ग पो. लक्ष्मणगढ़ 332311	वार्ड 34
प्रकाशक का नाम -	शशिकान्त जोशी
राष्ट्रीयता -	भारतीय
पता -	उपर्युक्त
संपादक का नाम -	शशिकान्त जोशी
राष्ट्रीयता -	भारतीय
पता -	उपर्युक्त
उन शेयर होल्डर के नाम और पते जिनके पास कुल पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक शेयर हैं –	शेयर होल्डर अन्य कोई नहीं

मैं शशिकान्त जोशी यह घोषित करता हूँ कि ऊपर दिये गये विवरण जहाँ तक मैं जानता हूँ तथा मेरा विश्वास है, सत्य है |

शशिकान्त जोशी

मार्च 2022 (संपादक के हस्ताक्षर)

लक्ष्मणगढ़ में 20 से होगा शेखावाटी उत्सव

तैयारियों में जुटा प्रशासन

लक्ष्मणगढ़ | लक्ष्मणगढ़ में 20 मार्च से 22 मार्च तक होने वाले शेखावाटी उत्सव की तैयारियां शुरू हो गई है। इसको लेकर जिला कलक्टर अविचल चतुर्वेदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जिला कलक्टर ने नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी को निर्देशित किया कि शहर की मुख्य सड़कों की मरम्मत तथा हैरिटेज वॉक रूट की मरम्मत व उत्सव के दौरान शहर की साफ-सफाई कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई सहित विद्युत, पेयजल, फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस की समुचित व्यवस्थाएं करें। उन्होंने एडिशनल सीएमएचओ को निर्देश दिए कि नेहरू स्टेडियम में मेडिकल टीम मय डॉक्टर, एम्बुलेंस व प्राथमिक चिकित्सा सामग्री उपलब्ध करवाएं। सार्वजनिक निर्माण विभाग शहर की मुख्य सड़क, सम्पर्क सड़कों एवं अन्य मार्गों की मरम्मत करवाएं। उन्होंने पशुपालन विभाग को रामलीला मैदान में ऊंट दौड़ प्रतियोगिता के दौरान पशु चिकित्सक की उपलब्धता के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

" सन्मार्ग एव सर्वत्र पूज्यतेनाऽपथ: क्वचित् "

मानव-जीवन में सुख और दुःख

किसी भी कर्मके फलरूप में प्राप्त परिस्थिति और भोगसमुदायमें राग नहीं करना चाहिये; क्योंकि जिस प्राप्त पदार्थमें मनुष्यका राग होता है, उसी जातिके अप्राप्त पदार्थोंका चिन्तन होता है तथा उनके संस्कार अंकित होकर वासनाका रूप धारण कर लेते हैं। उससे अन्तःकरण मलिन होता रहता है।

राग यानी आसक्ति, द्वेष यानी वैरभाव-इन दोनोंका समूल नाश करनेके लिये साधकको चाहिये कि इन्द्रिय ज्ञानके अनुसार अनुकूल और प्रतिकूल प्रतीत होनेवाली परिस्थितियों की प्राप्तिमें जो

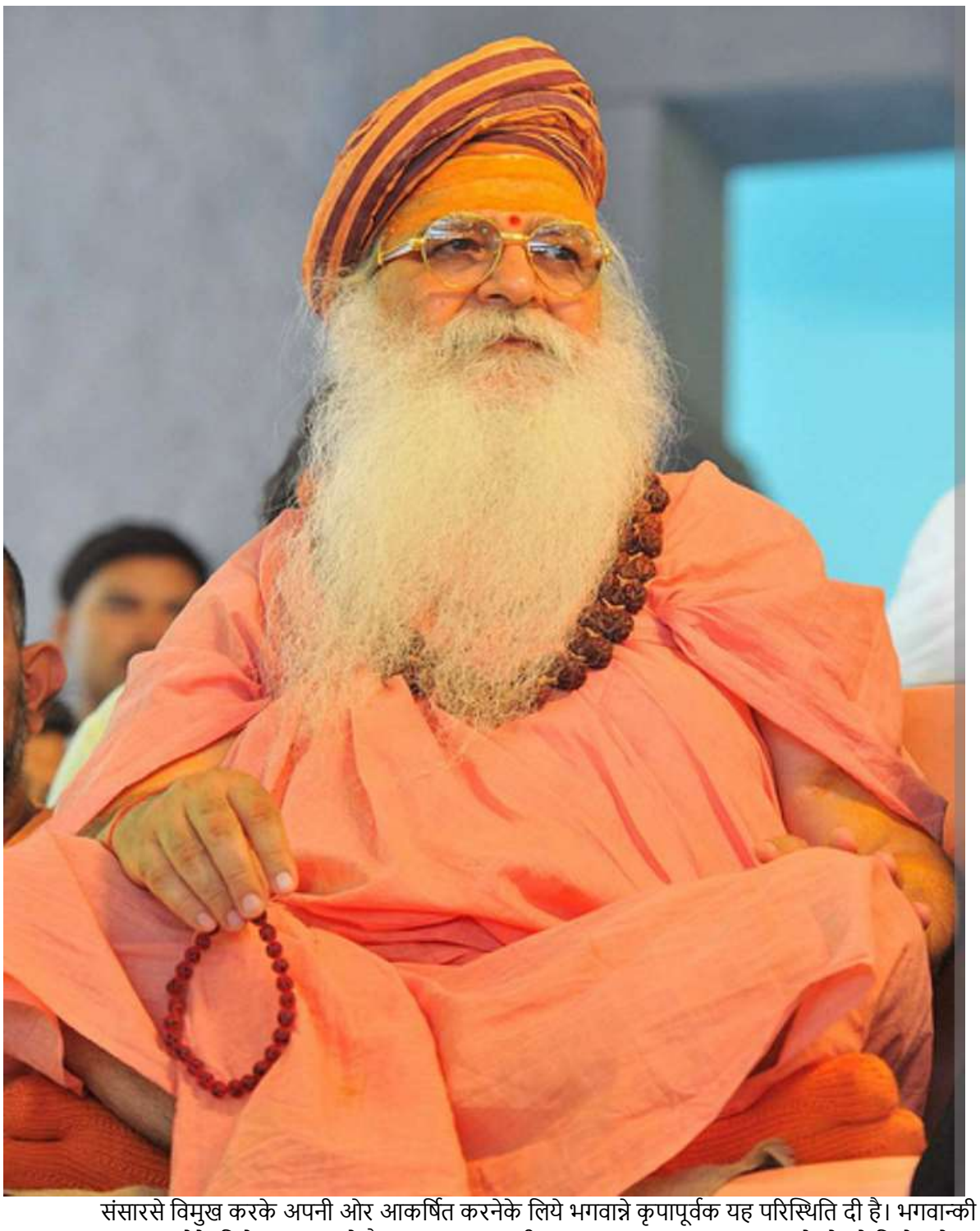

सुख और दुःख होता है, उनमें किसी दूसरेको कारण न समझे। दूसरे व्यक्तियोंको, क्षुद्र जीवोंको या पदार्थोंको सुख-दुःखका कारण मान लेनेपर उनमें आसक्ति और वैरभाव होना अनिवार्य है। जबतक मनुष्यका किसी व्यक्तिमें या पदार्थमें राग-द्वेष विद्यमान रहता है, तबतक चित्त शुद्ध नहीं होता। उसके मनमें अनावश्यक संकल्प और व्यर्थ चिन्तन होता रहता है।

वास्तव में यदि देखा जाय तो सुख-दुःखमें दूसरा व्यक्ति, प्राणी या पदार्थ हेतु हैं भी नहीं। कोई पूछे कि कौन हेतु है, तो इस विषयकी मान्यता तीन भागोंमें बाँटी जा सकती है

(१) यह कि पूर्वकृत अच्छे और बुरे कर्मोंके फलरूपमें ही समस्त प्राणियोंको अनुकूल और प्रतिकूल भोग प्राप्त होते हैं। दूसरा कोई कारण नहीं है। यह मान्यता तो उन मनुष्योंकी होती है, जो देहाभिमानी और कर्मासक्त हैं। अपनी इस मान्यताके अनुसार उनका बुरे कामोंको छोड़कर, अच्छे कर्मोंमें प्रवृत्त होनेका निश्चय दृढ़ होता है, जो उनको उन्नतिशील बनानेमें सहायक होता है। इसलिये यह मान्यता भी एक प्रकारसे अच्छी है।

(२) सुख और दुःखकी प्राप्तिका कारण एकमात्र मनुष्यका प्रमाद अर्थात् प्राप्त विवेकका आदर न करना यानी उसका सदुपयोग न करना ही है, दूसरा कुछ नहीं; क्योंकि विचारवान् साधकको जब किसी प्रकारकी शारीरिक या मानसिक प्रतिकूलता प्राप्त होती है, तब वह उससे दुखी नहीं होता, बल्कि यह समझकर प्रसन्न रहता है कि प्रतिकूलता ही मनुष्यके जीवनको उन्नत करनेवाली है। जिसके जीवनमें प्रतिकूलताका अनुभव नहीं होता, उसकी उन्नतिकी ओर प्रगति नहीं होती। यदि प्रतिकूल परिस्थिति पैदा न होती तो शरीर और संसारसे अहंता ममताका दूर होना प्रायः सम्भव ही नहीं था। अतः प्रतिकूल परिस्थिति तो शरीर और संसारसे अलग करनेवाली है। जब शरीरमें अहंभाव और उससे सम्बन्धित जगत्में मेरापन न रहे, तब कोई भी परिस्थिति मनुष्यको • सुख या दुःख देनेवाली हो ही नहीं सकती। यह मान्यता उन विचारशील साधकोंकी होती है, जो एकमात्र प्रमादको ही अहंता-ममताका हेतु समझकर अपने प्राप्त विवेकका आदर करनेवाले हैं।

(३) तीसरी मान्यता हर-एक परिस्थितिमें सर्वत्र और सर्वदा भगवान्की कृपाका दर्शन करनेवाले, भगवान्पर निर्भर परमविश्वासी भक्तोंकी होती है। वे अनुकूल परिस्थितिमें तो इस भावनासे भगवान्की अहैतुकी कृपाका अनुभव करके उनके प्रेममें विभोर हो जाते हैं कि वे परम सुहृद् प्रभु मेरी हर एक आवश्यकताका कितना अधिक ध्यान रखते हैं। मुझ-जैसे अधम प्राणीपर भगवान्की कितनी दया है, जो अपनी सेवा कराकर मुझे अपना प्रेम प्रदान करनेके लिये यह सामग्री और इनके उपयोगकी योग्यता दी है एवं प्रतिकूल परिस्थिति प्राप्त होनेपर वे यह सोचते हैं कि इस शरीरमें और संसारमें जो मैंने प्रमादवश सुख मान लिया था, जिसके कारण मैं अपने परम सुहृद् प्रभुसे विमुख हो रहा था, उस शरीर और संसारसे विमुख करके अपनी ओर आकर्षित करनेके लिये भगवान्ने कृपापूर्वक यह परिस्थिति दी है। भगवान्की कैसी अनुपम दया है कि वे अपने दासको हर समय हर एक प्रकारसे अपना प्रेम प्रदान करनेके लिये उत्सुक रहते हैं। इस प्रकार प्रभुकी कृपाका अनुभव करता हुआ उनके प्रेममें विभोर होता रहता है।

उपर्युक्त तीनों प्रकारकी ही मान्यता अपने-अपने अधिकारके अनुसार प्राणीको उन्नतिशील बनाती है। - इसके विपरीत जो दूसरे प्राणियोंको या पदार्थोंको अपने सुख और दुःखका हेतु मानता है, उसका सब प्रकार से पतन होता है; क्योंकि जिस प्राणी या पदार्थको मनुष्य अपने सुखमें हेतु मान लेता है, उसमें उसका राग हो जाता है और जिसको दुःखका हेतु मानता है, उससे द्वेष हो जाता है। ये राग और द्वेष मनुष्यको उन प्राणी-पदार्थों के चिन्तनमें लगाकर मनको मलिन और विक्षिप्त कर देते हैं। अतः उसको किसी भी समय शान्ति नहीं मिलती।

जब साधकका किसी प्राणीमें वैरभाव-द्वेष नहीं रहता, तब सबमें समानभावसे प्रेम हो जाता है। आसक्ति और स्वार्थको लेकर जो प्राणियों में प्रियता होती है, वह प्रेम नहीं है, वह तो मोह है। अतः वह प्रियता, जिस-जिस व्यक्ति या पदार्थमें ममता होती है, वहीं होती है। विभु नहीं होती। उसमें द्वेषका अभाव नहीं होता। परंतु जो द्वेषका समूल नाश होनेपर समभावसे सबमें प्रेम होता है, वह विशुद्ध प्रेम है। उसमें किसीसे कुछ लेना नहीं रहता। अत: वह प्रेम देखने में प्राणियोंके साथ होनेपर भी वास्तवमें भगवान्में ही है।

शास्त्रों में जो सुख-दुःखको समान समझनेकी बात कही जाती है, उसका भी यही भाव मालूम होता है कि दोनोंका एक ही नतीजा हो। परिणाममें भेद न हो। उपर्युक्त प्रकारसे जब साधक सुख-दुःखका कारण दूसरेको न मानकर प्रारब्धको या प्रमादको अथवा भगवान् की अहैतुकी कृपा को 1 मान लेता है, तब उसका दोनों प्रकारकी परिस्थितियों में = भेद-भाव नहीं रहता। उसके लिये अनुकूल परिस्थितिके । समान ही प्रतिकूल परिस्थिति भी प्रसन्नता और विकास का कारण बन जाती है। साधक भोग से योगकी ओर, मृत्युसे अमरता की ओर तथा राग-द्वेषसे त्याग और प्रेम की ओर = आकर्षित हो जाता है।

उपर्युक्त भावनासे सुख 'उदार' बनानेमें और दुःख । 'विरक्त' बनानेमें समर्थ है, जिससे प्राणीका हित ही होता । है। जो प्राणी सुख मिलनेपर उसके उपभोगमें लोलुप हो जाता है और दुःख आनेपर भयभीत हो जाता है, वह बेचारा सुख-दुःख का सदुपयोग नहीं कर पाता, जिसका न करना वास्तव में अवनति का मूल है।

सुख-दुःख में साधन-बुद्धि करके उनका उपर्युक्त प्रकार से उपयोग करना साधकके लिये परम आवश्यक है। सुख-दुःख के उपयोग युक्त जीवनको जीवन मान लेना भूल है। जीवन तो वास्तव में वह है, जिसका अनुभव सुख-दुःख से रहित होने पर होता है।

स्वामी श्री शरणानन्द महाराज का कृपा प्रसाद – कल्याण से साभार

शशिकान्त जोशी
सम्पादक

खाटूश्याम जी मेले में आयेंगे 15 लाख से अधिक श्रद्धालु : प्रसाद, होटलों, फूल-माला, बाबा की मूर्ति पोशाक, गुलाल आदि से होने वाले कारोबार की रिपोर्ट

करोड़दातार : खाटू मेले में दस दिन में होगा 100 करोड़ से अधिक का कारोबार, हजारों लोगों को मिला रोजगार

दो साल बाद कोरोना की पाबंदियां कम होने से इस बार खाटूश्यामजी लक्खी मेले को लेकर श्रद्धालुओं में अपार उत्साह है। छह मार्च से शुरू हुए लक्खी मेले में रोज करीब दो लाख श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। प्रसाद, फूल-मालाओं की बिक्री व होटलों में रुकने की पाबंदियां हटने तथा दुकानें लगाने की छूट से इस बार पहले जैसी सी रंगत है। इससे मेले में रोज चार से छह करोड़ रुपए तक का कारोबार हो रहा है। लखदातार के मेले से हर वर्ग के चेहरों पर खुशियां बरस रही हैं। वहीं अस्थाई दुकानों, मेले में मनोरंजन की दुकानों, खान पान, भंडारे तथा मेले की तैयारियों व सजावट आदि में हजारों लोगों को रोजगार भी मिला है। यह शुक्रवार को 15 मार्च तक चलने वाले 10 दिवसीय मेले में प्रसाद, होटलों-धर्मशालाओं, माला-फूल व बाबा की मूर्तियों व पोशाक आदि के कारोबार को लेकर ग्राउंड रिपोर्ट है। दुकानदारों ने बताया कि मेले के दौरान 100 करोड़ से अधिक का कारोबार होगा। दुकानदार मनीष कुमार ने बताया कि बीते दो साल में कोरोना के कारण लगी पाबंदियों के चलते श्रद्धालुओं की भीड़ काफी कम रही। इस बार मेले के पहले दिन ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन करने के लिए पहुंचे हैं। मेले से संबंधित सभी तरह के कारोबार में खुशहाली व रौनक है। वहीं, शुक्रवार को करीब दो लाख श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए।

25 लाख रुपए के बिक जाते हैं माला-फूल

बाबा श्याम के दरबार में दो सालों में गुलाब के फूलों की मांग बढ़ी है। भक्त गुलाब के फूल भी चढ़ा रहे हैं। प्रति किलो गुलाब के फूल 20 रुपए से लेकर 50 रुपए में बिक रहे हैं। गुलाब के फूल बेचने वालों की 30 से 40 दुकानें लगी हैं। माला-फूल बेचने वाले मालीराम कुमावत ने बताया कि मेले के दौरान प्रतिदिन 400-500 गुलाब के फूल बिक जाते है। इसके अलावा फूल व मालाएं बड़ी मात्रा में बिकती हैं। इससे प्रतिदिन 2.50 लाख रुपए का कारोबार होता है। 10 दिन में 25 लाख तक के माला-फूल बिक जाते हैं। साथ ही लोग मन्नतों के नारियल खरीद हैं, जिससे कम से कम 5 लाख रुपए तक के नारियल बिक जाते हैं।

लड्डू गोपाल की पोशाक व मूर्तियों से 8 लाख आय

मेले में लड्डू गोपाल की पोशाक व मूर्तियों का कारोबार भी खूब होता है। करीब 25 दुकानें पोशाक की लगी हैं। इसमें छोटे से बड़े लड्डू गोपाल की बिक्री हो रही है। इसके अलावा लड्डू गोपाल की पोशाक, भगवान के बाल, मुकुट, माला, बांसुरी, पगड़ी इत्यादि का श्रृंगार भी बिकता है। व्यापारी दिनेश स्वामी ने बताया कि मेले में 8 लाख तक के पोशाक, मूर्तियां, लड्डू गोपाल के झूले, पंलंग व सिंहासन आदि की खरीदारी होती है। इसके साथ ही मान्यता के चलते बाबा से होली खेलने के लिए। श्रद्धालु गुलाल भी खरीदते हैं। 10 दिनों में करीब 6 लाख तक के गुलाल बिक जाते हैं। दिल्ली, हरियाणा से आने वाले श्रद्धालु बाबा श्याम की फोटो-भजन की पेनड्राइव इत्यादि कि खरीदारी करते हैं। इससे करीब चार लाख तक की खरीद होती है। इसके अलावा 40 करोड़ रुपए के अन्य कारोबार होते हैं।

होटल व धर्मशालाओं में ठहरने वाले लोगों से 40 करोड़ से अधिक रुपए आते हैं।

होटल व धर्मशालाओं में भी इस बार रौनक है। कस्बे में करीब 50 होटल व 350 धर्मशालाएं हैं, जिनमें 12 हजार से अधिक कमरे हैं। प्रत्येक कमरे की दर 500 रुपए से लेकर 2500 रुपए तक हैं।

इससे अलावा पैकेज के हिसाब से भी कमरे बुक हो रहे हैं। होटल श्याम निवास के मैनेजर किशन सिंह राठौड़ ने बताया कि मेले के दस दिनों में खाटू की होटलों व धर्मशालाओं में मेले के दौरान 40 करोड़ से अधिक का कारोबार होने की संभावना है। होटल लखदातार के मैनेजर चैनाराम चौहान ने बताया कि प्रत्येक होटल-धर्मशालाओं में 35 से 40 कमरे कई धर्मशालाओं में दो सौ से अधिक कमरे हैं।

बाबा के मेले को लेकर प्रसाद की करीब 110 स्थाई व 200 अस्थाई दुकानें लगी हैं, जो 24 घंटे खुली हैं। आने वाला हर भक्त कम से कम 50 से लेकर 100 रुपए तक के प्रसाद खरीदते हैं। हजारों श्रद्धालु ऐसे हैं जो 500 रुपए से लेकर दो हजार तक का प्रसाद खरीदते हैं। इस हिसाब से 10 दिन तक चलने वाले मुख्य मेले में 15 लाख से अधिक भक्त आते हैं जिससे करीब 20 करोड़ रुपए से अधिक का प्रसाद बिक जाता. है। व्यापारी हेमंत शर्मा ने बताया कि रात-दिन दुकानों में प्रसाद तैयार हो रहे हैं, सैकड़ों कारीगर लगे हैं। दुकानों की छत या गोदाम में पेड़े, चूरमा, लड्डू पंचमेवा, दिलखुशार आदि प्रसाद तैयार हो रहे हैं।

गिंदड़ व चंग की थाप पर झूमे प्रवासी लक्ष्मणगढ़, सालासर रोड स्थित केसर वाटिका में रविवार रात्रि को

फागोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महंत अशोकदास महाराज के सान्निध्य व दिल्ली भाजपा इकाई के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व प्रवासी श्री कुमार लखोटिया के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में विमल पारीक के दिशा निर्देशन में बगड़िया स्कूल के कलाकारों ने गिंदड़ व चंग की थाप पर सभी प्रवासियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायक कलाकार सवाई सिंह चौहान व विनय तमोली ने अपने होलीमय गानों से कार्यक्रम में समां बांधे रखा। इस मौके पर कलाकारों की ओर से प्रस्तुत कुएं पर एकली, हरिया पौदीनो, बालम छोटो सो, पीपली, कुरजां, गोरबंद आदि राजस्थानी गानों पर प्रवासी भामाशाहों व महिलाओं ने जमकर लुत्फ उठाया। प्रवासियों ने राजस्थानीय संस्कृति को सहेजने व संरक्षित करने में इस प्रकार के आयोजनों को महत्वपूर्ण करार दिया। कार्यक्रम को संत विकासनाथ महाराज, पालिकाध्यक्ष मुस्तफा कुरैशी, विप्र कल्याण बोर्ड के सदस्य पवन बूटोलिया, प्रवासी

उद्योगपति संजय कानोडिया, प्रमोद अग्रवाल आदि ने संबोधित किया। इससे पहले गायक कलाकार विनय तमोली व कुशल खरादि ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का आगाज किया। श्री लखोटिया की ओर से सभी कलाकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राकेश बंसल, भाजपा की प्रदेश मंत्री मधु कुमावत, प्रेमलता लखोटिया, मांगीलाल पुजारी, सत्यनारायण सैनी, भागचंद लाटा आदि थे।

पूर्व मंत्री महरिया बोले... हार के बाद समीक्षा तक नहीं, ऐसे नहीं चलने देंगे

पुरानी पेंशन शुरू करने का काम मास्टर स्ट्रोक, कइयों को हिलाया : संजय निरूपम

सीकर | कांग्रेस की डिजिटल सदस्यता अभियान की को बुधवार हुई बैठक के दौरान पूर्व केन्द्रीय मंत्री व लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी रहे सुभाष महरिया का दर्द फिर छलक उठा। महरिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी में अखिल भारतीय स्तर, प्रदेश व जिला स्तर पर समीक्षा बैठक तक नहीं हुई। उन्होंने सदस्यता अभियान के प्रभारी संजय निरूपम की तरफ इशारा करते हुए कहा कि आप यह बात दिल्ली जाकर जरूर कहना... । खानापूर्ति के लिए दिल्ली में भी बैठक नहीं होना गंभीर है। महरिया ने कहा कि ऐसा नहीं चलेगा और न ही चलने देंगे। हार की समीक्षा करने में कहां दिक्कत थी। उन्होंने कहा कि पहले सरकार बचाने और विधायकों को खुश करने में लगे रहे, लेकिन अब यह समय जा चुका है। संगठन को अब चुनाव में राजस्थान में सरकार को रिपीट करने की दिशा में प्रयास करने होंगे। महरिया ने कहा कि सदस्यता साथ एक भी बैठक नहीं हुई। ऐसे में सदस्यता अभियान कैसे धरातल पर आएगा। कांग्रेस की पिछली बैठक में भी महरिया ने जिला परिषद के चुनाव में हार को लेकर आलाकमान को निशाने पर लिया था। उन्होंने कहा कि जिले में आठ विधायक होने के बाद भी पार्टी सीकर में जिला प्रमुख नहीं बना सकी। इससे पहले प्रदेश पदाधिकारियों का जिलाध्यक्ष सुनीता गिठाला की अगुवाई में सरगोठ बॉर्डर पर स्वागत किया गया। कांग्रेस नेताओं को सेवादल जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बाटड़ की अगुवाई में सलामी दी गई।

केन्द्र की विफलताओं को जनता के बीच लेकर जाएं: डोटासरा

बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि केन्द्र सरकार की वजह से लोगों में आक्रोश है। देशभर में महंगाई लगातार बढ़ रही है। लेकिन केन्द्र सरकार जनता को राहत नहीं दिला सकी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान तो किसानो को याद किया। लेकिन बाद में निरंतर उपेक्षा की। डोटासरा ने कहा कि केन्द्र सरकार की विफलताओं को जनता के बीच में लेकर जाना होगा। बोले राजस्थान की सरकार कोरोना के बाद भी बेहतरीन काम कर रही है। कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर जाकर लोगों को उपलब्धियों की जानकारी देनी होगी। कार्यकर्ताओं के दम पर सदस्यता अभियान में राजस्थान एक नंबर पर होगा। इस दौरान उन्होंने सरकार की तीन साल की उपलब्धियों को भी गिनाया।

डिजिटल दौर इसलिए सदस्यता भी ऑनलाइन

डिजिटल सदस्यता अभियान के प्रभारी संजय निरूपम ने कहा कि बदलते दौर में मोबाइल तकनीक का जरिया बन गया है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने देश में बदलाव का यह सपना देखा था जो अब साकार हो रहा है। इसलिए यह डिजिटल सदस्यता अभियान शुरू किया है। यह अभियान चुनाव के समय भी काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 50 लाख से ज्यादा सदस्य बनाए जाएंगे।

पहले फर्जीवाड़ा, इस वजह से संगठन कमजोर

कांग्रेस के कमजोर पड़ने के मामले को सदस्यता अभियान प्रभारी ने सदस्यता के महत्व के जरिए भी समझाया। उन्होंने कहा कि जब फार्म भरकर सदस्य बनाए जाते थे तो इनमें से आधे से ज्यादा फर्जी होते थे। ट्रक भर-भरकर आने वाले इन फार्मों को कोई देखता ही नहीं था और इसका नतीजा यह हुआ कि फर्जीवाड़े के चलते संगठन कमजोर पड़ गया।

सदस्यता अभियान की बैठक में छह विधायक विधानसभा की कार्यवाही चलने की वजह से अनुपस्थित रहे। बैठक में दांतारामगढ़ विधायक वीरेन्द्र सिंह व लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविन्द सिंह डोटासरा पहुंचे।

जिला अध्यक्ष सुनीता गठाला ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर सदस्यता अभियान में भी सीकर जिला टॉप पर रहेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को ग्रास रूट तक ले जाने का आह्वान किया। बैठक में सदस्यता अभियान के पीआरओ राजेंद्र राठौड़, अमित कुमार, विशाल जांगिड़, सभापति जीवण खां, कांग्रेस सेवादल प्रदेश अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत, प्रधान गिरिराज सिंह, अरविंद जाट, सुभाष मील, फूल सिंह ओला, सीताराम अग्रवाल, राजेंद्र शर्मा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष पूरण कवर, कुलदीप रणवां, मुस्ताक तंवर, रविकांत तिवारी, अशोक चौधरी, रामदेव खोखर, जयंत निठारवाल, गोविंद पटेल, लव कुमार खंडेला, तनसुख ओला, जेपी धायल आदि मौजूद रहे।

...आरएसएस की भाषा

विधायक वीरेन्द्र सिंह ने पन्ना प्रमुख का जिक्र किया। इस पर प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि यह तो आरएसएस की भाषा है इससे तो मैं संतुष्ट नहीं हूं, लेकिन हम इससे भी एक कदम आगे का विकल्प लेकर आए है इससे बूथ मजबूत होगा।

एक पदाधिकारी ने यहां तक कह दिया कि हमारे विधायक तो मंत्रियों को रोक लेते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में ही खेल मंत्री अशोक चांदना सीकर आने वाले थे। एक विधायक ने मना कर दिया तो उनको वापस लौटना पड़ा।

राजस्थानी भाषा को मान्यता के लिए ओमान में अभियान

सीकर | राजस्थानी भाषा को मान्यता की मांग को लेकर मायड़ भाषा मान्यता संघर्ष समिति संयोजक जितेंद्र सिंह कारंगा ने ओमान में जनजागरण अभियान शुरू किया है। कारंगा के साथ सामाजिक कार्यकर्ता परमेश्वर शर्मा, बाबूलाल जाखड़ व शिक्षाविद ओंकार मूंड प्रवासी भारतीयों में राजस्थानी भाषा की महत्ता जागृत करने के लिए खाड़ी देशों की यात्रा पर हैं। कारंगा ने राजस्थानी भाषा का महत्व बताते हुए प्रवासियों को एकजुट होकर मायड़ भाषा को मान्यता दिलाने का संकल्प दिलाया। आयोजन में कुरड़ाराम लांबा, रामस्वरूप जांगिड़, रिछपालसिंह नरुका, कल्याणसिंह शेखावत, मनीष कुल्हरी सहित ओमान में रह रहे प्रवासी भारतीयों ने भाग लिया।

दो साल में पूरी होगी फोरलेन पुलिया; एक हिस्सा नवलगढ़ व दूसरा पिपराली रोड पर उतरेगा, दो दर्जन दुकानें – मकान टूटेंगे

- **नेछवा में को-एड कॉलेज और फतेहपुर व श्रीमाधोपुर में खुलेंगे गर्ल्स कॉलेज**
- **सीकर में एनए और धोद में सिविल कोर्ट खुलेगा, हर्ष पर्वत पर वाटिका बनेगी**

सीएम अशोक गहलोत ने गुरुवार को बजट रिप्लाई में सीकर जिले के लिए 11 बड़ी घोषणा की। इसमें नवलगढ़ रोड पुलिया को फोरलेन करने, कुंभाराम लिफ्ट परियोजना के लिए बजट मंजूर करने जैसे बड़ी राहत शामिल हैं। नवलगढ़ रोड पुलिया को फोरलेन करने के लिए 45 करोड़ का बजट मिला है, तो कुंभाराम लिफ्ट के जरिए सीकर जिले में मीठा पानी पहुंचाने के लिए,500 करोड़ के बजट का प्रावधान किया है।

नेछवा के लिए को-एड कॉलेज और फतेहपुर व श्रीमाधोपुर में गर्ल्स कॉलेज खोलने की घोषणा की। सीकर शहर में एनए और धोद में सिविल कोर्ट खुलेगा। पाटन उपतहसील को तहसील में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। हर्ष पर्वत पर लवकुश वाटिका, खाटूश्यामजी, रींगस और नीमकाथाना में एफएसटीपी का काम कराया जाएगा। चला पीएचसी को सीएचसी तक क्रमोन्नत किया जाएगा। लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में खूड़ी-रसीदपुरा से बादूसर तक आठ करोड़ रुपए सड़क का निर्माण होगा।

पुलिया बनने से हर माह बचेगा डेढ़ करोड़ का पेट्रोल - डीजल

नवलगढ़ पुलिया 20 साल पहले बनी थी। आबादी व शहर का दायरा बढ़ने से पुलिया से रोज करीब 13 हजार से ज्यादा वाहन गुजरते हैं। इससे पुलिया पर ट्रैफिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। इससे डाक बंगला, कलेक्ट्रेट, पिपराली रोड, नवलगढ़ रोड पर ट्रैफिक जाम लगता है। शहर को इस जाम से बचाने के लिए फोरलेन बड़ी राहत वाला प्रोजेक्ट साबित होगा। अभी इस पुलिया पर रोज दिन में कई बार ट्रैफिक जाम लगता है। विशेषज्ञों अनुसार ऐसे जाम के कारण शहरवासियों का रोज 5 लाख का पेट्रोल-डीजल फुंक जाता है। यानी महीने में डेढ़ करोड़ रुपए का पेट्रोल-डीजल इस ट्रैफिक जाम के कारण बेकार हो जाता है। पुलिया बनने के बाद शहरवासियों को ये बचत होगी।

कहीं बजट कम पड़ा तो सरकार से मंजूर करा दूंगा

कुंभाराम लिफ्ट परियोजना, नवलगढ़ रोड पुलिया, नेछवा में सरकारी कॉलेज खोलने सहित जिले के लिए कई बड़ी घोषणा हुई हैं। इसके लिए मैंने व्यक्तिगत तौर पर मुख्यमंत्री से बात की थी। सभी विधायकों का इसमें सहयोग मिला। किसी भी प्रोजेक्ट में बजट की कमी नहीं आने दी जाएगी। सभी घोषणाओं को पूरा करने के लिए मॉनिटरिंग करके काम करवाया जाएगा। जिले के विकास में कमी नहीं छोड़ेंगे। गोविंद डोटासरा, **पीसीसी चीफ**

लिफ्ट परियोजना से जुड़ेंगे जिले के 864 गांव

कुंभाराम लिफ्ट परियोजना एक्सईएन राजकुमार चाहिल ने बताया कि प्रोजेक्ट में धोद, सीकर, खंडेला, दांतारामगढ़, श्रीमाधोपुर और नीमकाथाना क्षेत्र के 864 गांव और 13 कस्बों को शामिल किया जाएगा। सरकार से शुरुआती चरण में मिलने वाले 500 करोड़ रुपए से जमीन अलॉटमेंट, पंप हाउस और उच्च जलाशय तैयार करने पर खर्च किए जाएंगे। हनुमानगढ़ जिले के आरडी-103 से 160 किमी पाइप लाइन के जरिए शेखावाटी में मीठा पहुंचाया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण घोषणाए

नेछवा में को-एड कॉलेज : यह कॉलेज खुलने से 18 ग्राम पंचायतों के स्टूडेंट्स को मिलेगा फायदा। खूड़ी से खोरू भूमा छोटा होते हुए बादूसर तक 8 करोड़ की सड़क बनने से 8 गांव जुड़ेंगे।

फतेहपुर / श्रीमाधोपुर में गर्ल्स कॉलेज : फतेहपुर कस्बे सहित एक दर्जन गांवों की छात्राओं को पढ़ने सीकर नहीं जाना पड़ेगा। श्रीमाधोपुर में पहली बार किसी • राजकीय कॉलेज की घोषणा हुई है। कॉलेज खुलने से 18 ग्राम पंचायतों क विद्यार्थियों को फायदा होगा।

पाटन में तहसील: तहसील कार्यालय बनने से 19 पटवार मंडल के लोगों को 50 किलोमीटर दूर नीमकाथाना नहीं जाना पड़ेगा। इसमें पाटन, डाबला, रायपुर पाटन, रामपुरा बेगा की नांगल और हसामपूर, गिरदावर सर्कल सहित 19 पटवार मंडल शामिल हैं।

धोद में सिविल कोर्ट : सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट खुलने से पूरे विधानसभा क्षेत्र के लोगों को फायदा होगा। इससे पहले धोद में कोई कोर्ट नहीं था। • चला में सीएचसी : चला में पीएचसी को सीएचसी बना दिया गया है। इससे यहां अब विशेषज्ञ स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। पीएचसी होने से लोगों को विशेषज्ञों को दिखाने के लिए 18 किमी दूर नीमकाथाना जाना पड़ता था।

नाथ आश्रम में आयोजन

लक्ष्मणगढ | महाशिवरात्रि पर भूतनाथ शिवालय, चौपड़ बाजार, शिखरबंद शिवालय, मुरलीमनोहर मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में रूद्राभिषेक पाठ सहित कई कार्यक्रम कर मंदिर परिसर की सजावटी की गई। रात्रि को शिव मंदिरों में जागरण किया गया। श्रद्धानाथ आश्रम में श्रद्धालुओं ने श्रद्धानाथ महाराज की समाधि पर धोक लगाकर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में पीठाधीश्वर बैजनाथ महाराज, पलसाना के मनोहरशरण दास महाराज व प्रकाशनाथ महाराज ने शिव की महिमा की व्याख्या की । इस मौके पर संगीत निर्देशक जयकांत खरादी के निर्देशन में तृप्ति शर्मा, लक्ष्य भातरा, प्रियांशु पारीक, मोहित शर्मा, अक्षय पंवार आदि ने भगवान शिव के भजनों की प्रस्तुतियां दी। सामूहिक प्रार्थना के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष पीएस जाट, पूर्व पालिकाध्यक्ष दिनेश जोशी, कांताप्रसाद मोर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

गोविंदनाथ आश्रम डूडवा में पीठाधीश्वर विश्वनाथ महाराज के सानिध्य एवं पंडित मांगीलाल दाधीच के मुख्य आचार्यत्व में रैवासा धाम के युवा बटुकों ने रुद्री पाठ का सस्वर वाचन किया।

आयुर्वेद कॉलेज इसी सत्र से; 100 सेटों पर प्रवेश मिलेगा, भवन तैयार होने तक गोकुलपुरा के दो बंद स्कूलों में संचालन होगा

स्थाई भवन के लिए एक्सीलेंस स्कूल के पास नगर परिषद की खाली 35 बीघा जमीन का सरकार को प्रस्ताव भेजा

राज्य सरकार ने सीकर में आयुर्वेद कॉलेज शुरू कराने का फैसला किया है। आयुर्वेद कॉलेज की गोकुलपुरा गांव में इसी साल शुरूआत होगी। कलेक्टर ने बंद हो चुकी दो स्कूल भवनों को आयुर्वेद कॉलेज के नाम अलॉट किया है। यहां अस्थाई तौर पर कॉलेज का संचालन होगा।

राणी सती के पास संचालित राजेंद्र आयुर्वेद अस्पताल कॉलेज से अटैच किया जाएगा। आयुर्वेद कॉलेज का खुद भवन तैयार कराया जाएगा। इसलिए एक्सीलेंस स्कूल के पास नगर परिषद की खाली 35 बीघा जमीन का प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भिजवाया है। स्वीकृति मिलने पर नए भवन का निर्माण शुरू होगा। आयुर्वेद कॉलेज की परमिशन लेने के लिए एनसीआईएसएम को पत्र लिखा जा चुका है। निरीक्षण करने के लिए दिल्ली से एनसीआईएसएम टीम जल्द आएगी।

विभाग ने आयुर्वेद कॉलेज के लिए डॉ. अवधेशकुमार भट्ट को प्रिंसिपल लगाया है। वे उदयपुर आयुर्वेद कॉलेज से सीकर आए हैं। इसके अलावा 11 फैकल्टी की भी नियुक्ति कर दी है।

बीएएमएस व योगा में 100-100 सीटें, गर्ल्स-बॉयज के अलग हॉस्टल

आयुर्वेद कॉलेज के पहले चरण में 100-100 सीट हैं। इसमें बीएएमएस और योगा की सीट हैं। अभी प्रदेश में केवल उदयपुर में एक ही आयुर्वेद कॉलेज है। आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में आने वाले रेजीडेंट चिकित्सकों को कॉलेज के अंदर ही सुविधाएं मिले इसके लिए निदेशालय तैयारी कर रहा है। हाइटेक वाई-फाई, बिजली पानी सहित गर्ल्स व बॉयज हॉस्टल, पार्क, पार्किंग की सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। नए भवन तैयार होने तक किराए पर भवन लेकर कॉलेज, हॉस्टल संचालन करने की इजाजत मिल गई है।

प्रदेश में छह आयुर्वेद कॉलेज खुलेंगे

प्रदेश में 6 आयुर्वेद कॉलेज खुलेंगे। इसमें सीकर के अलावा अजमेर, जयपुर, बीकानेर भरतपुर, कोटा जिले हैं। प्रदेश में अभी एक आयुर्वेद कॉलेज उदयपुर में है। अजमेर में कॉलेज के लिए केकड़ी सिटी में 45 बीघा जमीन अलॉट की जा चुकी है। भरतपुर में 8.80. एकड़, जयपुर में 17.50 हैक्टेयर, बीकानेर में 10 बीघा भूमि आबंटितं हो चुकी है। सीकर में एक्सीलेंस स्कूल के पास खाली जमीन का प्रस्ताव राज्य सरकार के पास विचाराधीन है। जोधपुर व उदयपुर में नैचुरल प्राकृतिक योग चिकित्सा के कॉलेज भी खोले जा रहे हैं।

आयुर्वेद कॉलेज के लिए गोकुलपुरा गांव में बंद दो स्कूलों को अलॉट किया है। कॉलेज के लिए जमीन अलॉटमेंट की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। एक्सीलेंस के पास खाली जमीन का प्रस्ताव तैयार करवा भिजवाया है। विभाग ने एनसीआईएसएम को चिट्ठी लिख दी। दिल्ली से जल्द टीम निरीक्षण के लिए आएगी। -डॉ. कैलाश शर्मा, **उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग**

प्रेरणाप्रद अतीत भारतीय आदर्श भाइयों का सम्बन्ध

वनवास समाप्त हुए कई वर्ष बीत गये थे। प्रभु श्रीराम और माता सीता की कृपा-छाया में अयोध्या की प्रजा सुखमय जीवन व्यतीत कर रही थी। युवराज भरत अपनी कर्त्तव्यपरायणता और न्यायप्रियता के लिए ख्यात हो चुके थे।

एक दिन संध्या के समय सरयू के तट पर तीनों भाइयों संग टहलते श्रीराम से महात्मा भरत ने कहा, "एक बात पूछूं भइया ? माता कैकेयी ने आपको वनवास दिलाने के लिए मंथरा के साथ मिल कर जो षड़यंत्र किया था, क्या वह राजद्रोह नहीं था? उनके षड़यंत्र के कारण एक ओर राज्य के भावी महाराज और महारानी को चौदह वर्ष का वनवास झेलना पड़ा तो दूसरी ओर पिता महाराज की दुखद मृत्यु हुई। ऐसे षड़यंत्र के लिए सामान्य नियमों के अनुसार तो मृत्युदण्ड दिया जाता है, फिर आपने माता कैकेयी को दण्ड क्यों नहीं दिया ?"

राम मुस्कराये और बोले, "जानते हो भरत! किसी कुल में एक चरित्रवान और धर्मपरायण पुत्र जन्म ले ले तो उसका जीवन उसके असंख्य पीढ़ी के पितरों के अपराधों का प्रायश्चित कर देता है । जिस माँ ने तुम जैसे महात्मा दिया हो, उसे दण्ड कैसे दिया जा सकता है?" भरत संतुष्ट नहीं हुए, उन्होंने कहा, "यह तो मोह है भइया, और राजा का दण्डविधान मोह से मुक्त होता है। एक राजा की तरह उत्तर दीजिये कि आपने माता को दण्ड क्यों नहीं दिया? समझिये कि आपसे यह प्रश्न आपका अनुज नहीं, अयोध्या का एक सामान्य नागरिक कर रहा है।"

राम गम्भीर हो गये, कुछ क्षण मौन रहने के बाद कहा, "अपने सगे-सम्बन्धियों के किसी अपराध पर कोई दण्ड न देना ही इस सृष्टि का कठोरतम दण्ड है भरत! माता कैकेयी ने अपनी एक भूल का बहुत कठोर दण्ड भोगा है। वनवास के चौदह वर्षों में हम चारों भाई तो केवल अपने-अपने स्थान पर परिस्थितियों से लड़ते रहे; परन्तु माता कैकेयी तो हर क्षण मरती रही हैं!"

"अपनी भूल के कारण उन्होंने अपना पति खोया, अपने चार बेटों से चौदह वर्ष के लिए अलग रहना पड़ा, अपना समस्त सुख खोया, फिर भी वे उस अपराधबोध से कभी मुक्त नहीं हो सकीं। वनवास की समाप्ति पर परिवार के शेष सदस्य प्रसन्न और सुखी हो गये; परन्तु वे कभी प्रसन्न नहीं हो सकीं। कोई राजा किसी स्त्री को इससे कठोर दण्ड क्या दे सकता है? मैं तो सदैव यह सोच कर दुखी हो जाता हूँ कि मेरे कारण अनायास ही मेरी माँ को इतना कठोर दण्ड भोगना पड़ा।"

राम के नेत्रों में जल उतर आया था, और भरत आदि भाई गहरे अवसाद में मौन हो गये। श्रीराम ने फिर कहा, "और उनकी भूल को अपराध समझना ही क्यों भरत ! यदि मेरा वनवास नहीं हुआ होता तो संसार भरत और लक्ष्मण जैसे भाइयों के अतुल्य भ्रातृप्रेम को कैसे देख पाता। मैंने तो केवल अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन मात्र किया था; परन्तु तुम दोनों ने तो मेरे स्नेह में चौदह वर्ष का वनवास भोगा। वनवास न होता तो यह संसार कैसे सीखता कि भाइयों का सम्बन्ध कैसा होता है।"

सम्पादक,प्रकाशक,मुद्रकः शशिकान्तजोशी, जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़ (सीकर) राजस्थानकृष्णाप्रिन्टर्स के लिये सागरकम्प्यूटर, जयपुर द्वारा मुद्रित,प्रबन्ध सम्पादक- डॉ महेन्द्रआचार्य, समाचार सम्पादक- भानुप्रकाश जोशी

शेखावाटी सन्मार्ग को **online** पढ़ने के लिये **www.srrividya.com** वेब साईट विजिटकरें|